www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-34 • पृष्ठ-8 • मूल्य-01 रूपये • वीरवार 10 अक्टूबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

गायक जवंदा

हर आंख रोई, हर आंख नम, यूं तुम चले गए

बेटे ने दी मुखाग्नि... जिस मैदान में खेला और गाया, वहीं हुआ राजवीर का अंतिम संस्कार, राजवीर जवंदा की यादें अब गीतों में जिंदा रहेंगी

सुनील शिंगार/अशवनी पाहवा | लुधियाना

राजवीर जवंदा चाहे इस दुनिया से चला गया लेकिन उसकी आवाज लोगों के दिलों में हमेशा रहेगी। गांव की मिट्टी से इतना लगाओ था कि जिस मैदान की मिट्टी में बचपन में खेला करता था, जवान होकर इस मैदान में गाने गए। अब उसी मैदान की मिट्टी में उसके पार्थिव शव का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में पहुंचे गांव के लोग, कलाकार और नेता सब की आंखें नम थी। कुदरत की इस होनी को कोई मानने को तैयार नहीं था। लेकिन सच में राजवीर जवान्दा हम सब को छोड़ कर चला गया।

राजवीर जवान्दा सन 2011 में पंजाब पुलिस में बतौर कांस्टेबल भर्ती हुआ था। राजवीर जब पंजाब पुलिस में भर्ती हुआ था तब से उसमें गाना गाने का शौक था और वह समय निकालकर गाने भी गाता रहा। राजवीर की कई एल्बम मशहूर हो गई तो उन्होंने अपना कैरियर पंजाबी गायक की इंडस्ट्री में ही बनाने की ठान ली। इसके बाद राजवीर ने सन 2019 में पंजाब पुलिस से नौकरी छोड़ दी। राजवीर के पिता सरदार करम सिंह भी पंजाब पुलिस में बतौर एएसआई थे।

सीएम मान और पंजाबी कलाकार पहुंचे...

राजवीर चुबनता की अंतिम यात्रा पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पहुंचे। इस दुख की घड़ी में भगवत मान ने परिवार के लोगों को हौंसला दिया। वहीं पंजाबी गायकी इंडस्ट्री के हरभजन मान, बब्बू मान, करमजीत अनमोल, मास्टर सलीम, एम्मी विर्क, मलकीत रोनी, पुखराज भल्ला कंवल ग्रेवाल, सतिंदर सरताज, जसबीर जस्सी, मोहम्मद सादिकी, रंजीत बावा, गगन कोठारी, कुलविंदर बिल्ला और हरीश पहुंचे।

2011 में पंजाब पुलिस में हुआ भर्ती तो 2019 में छोड़ दी

राजवीर जवंदा ने करीब 11 साल पहले सन 2014 में पंजाबी गायकी इंडस्ट्री में अपना करियर शुरू किया। अपनी पहली एल्बम मुंडा लाईक मी निकाली। उसके बाद एक के बाद एक सन 2016 में कली जवान्दा दी, 2017 में मुकाबला गाना निकाला तो उसके बाद पटियाला शाही पग्ग, केसरी झंडे, शौकीन, लैंड लोड, सरनेम, फकीर, कंगनी जैसे कई मशहूर गाने निकाले। इसके अलावा राजवीर ने पंजाबी फिल्म सूबेदार जोगिंदर सिंह, काका जी, जिंद जान, महेंदो तहसील दारनी और सिकंदर दो में भी रोल किया। युवाओं में उनके गाने काफी प्रचलित थे और युवा राजवीर जवान्दा की गाय की को काफी पसंद भी करते थे।

पहली बार मां का भजन गया...

गांव पौना के लोगों ने बताया कि राजवीर को बचपन से ही गाना गाने का शौक था। उन्होंने बताया कि जिस मैदान में राजवीर जवान्दा का अंतिम संस्कार हुआ है इसी मैदान में सन 2011 में गांव में एक जागरण था जिसमें भजन गाने के लिए कलाकार बुलाए हुए थे। देर रात को राजवीर ने जागरण में भजन गाने के लिए माइक पकड़ लिया। गांव के ही लोगों ने बताया कि राजवीर ने गाना गया। मां हुंदी ए मां ओ दुनिया वालियों। राजवीर के उक्त गाने पर लोगों की आंखें भी नाम हुई ।

जगराओं और पटियाला से की पढ़ाई.....

राजवीर जवान्दा ने दसवीं तक की पढ़ाई जगराओं के विमल जैन स्कूल में की। 11 वीं और 12 वीं गांव के पास एक स्कूल में करने के बाद राजवीर ने अपनी ग्रेजुएशन जगराओं के डीएवी कॉलेज से की। ग्रेजुएशन करने के बाद राजवीर अगली पढ़ाई करने के लिए पटियाला की पंजाबी यूनिवर्सिटी में गए जहां पर उन्होंने थिएटर व टेलीविजन की एमए की।

समय पर सुविधा मिलती तो शायद आज हमारे बीच होते जवंदा

हादसे में सही इलाज न मिला, राजवीर का जख्म बना मौत का कारण

पंचकूला | मुकुल शर्मा

पंजाबी गायक राजवीर जवंदा की सड़क हादसे के बाद इलाज के दौरान हालत बेहद गंभीर थी। सिविल अस्पताल सेक्टर 6 पंचकूला के एमरजेंसी ऑफिसर इंचार्ज डॉ. मनदीप सिंह ने समर एक्सप्रेस से एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में बताया कि जब राजवीर को अस्पताल लाया गया, उस समय वह पूरी तरह बेहोश थे। उनका ब्लड प्रेशर और पल्स रिकॉर्ड नहीं हो पा रहे थे, साथ ही मस्तिष्क में गंभीर चोटें थीं।

डॉ. मनदीप सिंह

राजवीर की हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने हर संभव प्रयास किया, लेकिन हादसे के शुरुआती घंटे ही उनकी जिंदगी के लिए निर्णायक साबित हुए। अगर दुर्घटना के तुरंत बाद सही उपचार और विशेषज्ञता मिलती, तो उनका जीवन शायद बचाया जा सकता था।

उच्च स्तरीय सुविधाएं होतीं, तो राजवीर बच सकते थे : डॉ. मनदीप सिंह

डॉ. मनदीप सिंह ने बताया कि उस समय राजवीर का दिल भी काम नहीं कर रहा था, जिस पर टीम ने तुरंत सीपीआर दिया। जब उनकी धड़कन वापस आई, तो उन्हें इंटुबेट किया गया। पहले उन्हें अस्पताल में ही रखने का विचार किया गया, लेकिन सीमित संसाधनों और न्यूरोसर्जन की अनुपलब्धता को देखते हुए उन्हें बड़े अस्पताल में रेफर करने का फैसला लिया गया। उन्हें स्थिर (स्टेबल) करने में लगभग 40-45 मिनट का समय लगा।

उन्होंने बताया, "अगर हमारे पास उच्च स्तरीय सुविधाएं और विशेषज्ञ डॉक्टर तुरंत उपलब्ध होते, तो हम उनकी स्थिति पर बेहतर नियंत्रण रख सकते थे।" रेफर करने के समय राजवीर का बीपी 110/80 और पल्स सामान्य थी।

डॉ. सिंह ने बताया कि अस्पताल में न्यूरोसर्जन उपलब्ध नहीं था, जबकि राजवीर का इलाज केवल न्यूरो स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही कर सकते थे। प्रारंभिक जांच में हेड इंजरी का पता चल गया था, लेकिन रीढ़ की हड्डी टूटने की जानकारी बाद में मिली।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने राजवीर को लगभग आधे घंटे तक स्थिर किया और स्थिति को देखते हुए साथियों के आग्रह पर उन्हें फोर्टिस अस्पताल रेफर कर दिया। सभी का यही मानना है कि "यदि समय पर सभी सुविधाएं और विशेषज्ञ उपलब्ध होते, तो शायद आज राजवीर हमारे बीच होते

डायल-112 कल एक घंटे के लिए रहेगा बंद, चंडीगढ़ पुलिस ने जारी किए वैकल्पिक नंबर

चंडीगढ़ | हरजीत मठारू

चंडीगढ़ पुलिस ने नागरिकों को आगाह किया है कि आपातकालीन सहायता सेवा डायल-112 शुक्रवार, 10 अक्तूबर को एक घंटे के लिए बंद रहेगी। पुलिस के अनुसार, यह अस्थायी रोक सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक रखरखाव और सिस्टम अपडेट कार्य के चलते रहेगी। पुलिस ने कहा कि इस दौरान यदि किसी नागरिक को आपात स्थिति में सहायता की आवश्यकता हो, तो वे 0172-2749194, 0172-2744100, 0172-2760851, 0172-4040100, 0172-2760800, 0172-2741900, 82830-73100 वैकल्पिक नंबरों पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह तकनीकी कार्य आपातकालीन सेवा को और अधिक कुशल, तेज़ और भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। पुलिस ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए कहा कि निर्धारित समय के बाद सेवा सामान्य रूप से पुनः शुरू कर दी जाएगी। कोई 10 बैस्ट हैडिंग निकाल कर दें।

आरडीएक्स सहित बीकेआई आतंकवादी मॉड्यूल के दो काबू

जालंधर| मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत, पाकिस्तान की आई.एस.आई. समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) जालंधर ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बी.के.आई.) आतंकवादी मॉड्यूल के दो कार्यकर्ताओं को करीब 2.5 किलोग्राम आर.डी.एक्स आधारित आई.ई.डी. और एक रिमोट कंट्रोल सहित गिरफ्तार कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) पंजाब गौरव यादव ने दी। यह मॉड्यूल बी.के.आई. के मास्टरमाइंड हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा के निर्देशों पर यू.के. आधारित हैंडलर निशान जोड़ियां और आदेश जमराय द्वारा संचालित किया जा रहा था।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरजिंदर सिंह उर्फ रिंकू निवासी गांव अठवाल (गुरदासपुर) और दीवान सिंह उर्फ निक्कू निवासी निक्को सरां कला (गुरदासपुर) के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उनकी काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिस पर वे सवार थे। डी.जी.पी. गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों को उनके यू.के. आधारित संचालकों निशान जोड़ियां और आदेश जमराय से सीधे निर्देश मिल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद आर.डी. एक्स आधारित आई.ई.डी. का उपयोग नियोजित आतंकी हमले में किया जाना था। कार्रवाई से संबंधित विवरण साझा करते हुए डी.जी.पी. ने बताया कि विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त पुख्ता जानकारी के आधार पर सी.आई. जालंधर की टीमों ने गुप्त अभियान के तहत जालंधर के गुरु नानकपुरा क्षेत्र से दोनों संदिग्धों को उस समय गिरफ्तार किया, जब वे यह विस्फोटक खेप किसी अन्य स्थान पर पहुंचाने जा रहे थे।

पंजाबी सिंगर नीरज साहनी को आतंकी रिंदा ने धमकी दी, सुरक्षा की मांग की

मोहाली | समर ब्यूरो

पंजाबी सिंगर नीरज साहनी को पाकिस्तान में छिपे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के नाम से धमकी भरी कॉल मिलने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले ने उनसे 1.20 करोड़ की रंगदारी मांगी और रकम न देने पर उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। नीरज साहनी ने इस संबंध में मोहाली पुलिस को लिखित शिकायत दी है और अपने परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

उन्होंने कॉल और बातचीत से जुड़े सभी सबूत भी पुलिस के हवाले कर दिए हैं। शिकायत में नीरज ने बताया कि वह मोहाली के सेक्टर-88 में रहते हैं और उनकी कंपनी सेक्टर-75 में स्थित है। 6 अक्टूबर दोपहर करीब 3:20 बजे उन्हें एक वीडियो कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा बताया। उसने कहा कि 1 करोड़ 20 लाख रुपये की व्यवस्था करनी होगी, नहीं तो उसे और परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

नीरज के अनुसार, कॉल के दौरान आरोपी ने एक अन्य व्यक्ति को भी शामिल किया और कहा कि पैसे उसे

देने होंगे। धमकी देने वाले ने यह भी दावा किया कि उसका पाकिस्तान में सक्रिय आतंकियों से संपर्क है और उसके पास नीरज से जुड़ी पूरी जानकारी है। उसने चेतावनी दी कि जल्द ही उसके गैंग "बाबा और रिंदा ग्रुप" के लोग संपर्क करेंगे और हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे।

पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। इससे पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं मोहाली में रंगदारी मांगने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले एक दवा कंपनी के मालिक से पैसे की मांग की गई थी। इसके अलावा सोहाना क्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर को धमकियां मिली थीं। इसी तरह, एक आईटी कंपनी के मालिक से भी रंगदारी मांगी गई थी, हालांकि उस मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। करीब 11 दिन पहले भी इसी तरह की धमकी भरी ऑडियो कॉल आई थी, जिस पर सोहाना थाने में मामला दर्ज किया गया था।

करवा चौथ को लेकर... हाथों में मेहंदी लगवाती सुहागिनें

ये सुसाइड नहीं, मर्डर है : अमनीत

हरियाणा | समर ब्यूरो

हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की मौत से उनका परिवार बेहद आहत और नाराज है। जापान दौरे से लौटने के बाद जब मुख्यमंत्री गुरुवार को शोक जताने पहुंचे, तो उनकी पत्नी और आईएएस अधिकारी अमनीत पी ने स्पष्ट कहा कि "यह सुसाइड नहीं, बल्कि मर्डर है।" उन्होंने बताया कि अंतिम नोट में सबकुछ स्पष्ट लिखा है और उसी के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर गिरफ्तारी और सस्पेंशन की कार्रवाई होनी चाहिए। तीसरे दिन भी नहीं हुआ पोस्टमॉर्टम तीन दिन बीत जाने के बाद भी वाई पूरन कुमार का पोस्टमॉर्टम नहीं हो

सका है। परिजनों ने साफ किया है कि जब तक एफ.आई.आर दर्ज नहीं की जाती, तब तक पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा। इसी कारण उनका शव अभी भी चंडीगढ़ के सेक्टर-16 अस्पताल में रखा हुआ है। इस बीच, उनकी बड़ी बेटी अमेरिका से भारत पहुंच चुकी है।

विधायक पठानमाजरा को झटका: अग्रिम जमानत याचिका खारिज

पटियाला| पटियाला के सनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका आज पटियाला कोर्ट ने खारिज कर दी है। विधायक पिछले काफी समय से इस मामले में फरार चल रहे हैं, और लगातार तारीख पर तारीख डालने के बाद आज के फैसले ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। विधायक के वकील की तरफ से जमानत के लिए दलीलें दी गई थीं, लेकिन सरकारी वकीलों ने तर्क दिया कि लगातार फरार रहने के कारण उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट में दोनों पक्षों की बहस के बाद कोर्ट ने फैसला देते हुए जमानत याचिका को रद्द कर दिया। विधायक के वकील ने बताया कि अब इस फैसले के खिलाफ उच्च अदालत, यानी पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में पार्टीशन डाली जाएगी, जहां जमानत की नई कोशिश की जाएगी।

करवा चौथ आज: करवाचौथ का पर्व आज पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया

प्रेम, आस्था और अटूट विश्वास का प्रतीक पर्व करवाचौथ

सुनील शिंगार | लुधियाना

करवाचौथ का पर्व आज पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी की तैयारी को लेकर वीरवार सुबह से ही बाजारों में महिलाओं की चहल-पहल रही। मेहंदी लगवाने, चूड़ियां लेने, सूट और अन्य मेकअप का सामान लेने बाजारों में पहुंची महिलाओं के कारण पूरा दिन बाजारों में रौनक रही। देर रात तक महिलाएं बाजारों में मेहंदी लगवाती हुई दिखाई दी। आज सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और वैवाहिक सुख की कामना के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखेंगी। व्रत की पूजा के लिए मंदिरों को भी सजाया गया है जहां पर आज शाम को पूजा के लिए सुहागन महिलाएं पहुंचेगी। पंडित संजय गौतम (श्री काली माता मंदिर, रेलवे स्टेशन लुधियाना) ने बताया कि सभी सुहागन शाम करीब 8:05 पर चंद्रमा निकलने का समय है। उन्होंने बताया कि

शाम की पूजा करने के बाद रात चंद्रमा देख महिलाए व्रत खोलेंगी। उन्होंने बताया कि करवाचौथ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इस दिन महिलाएं माता पार्वती, भगवान शिव और गणेश जी की पूजा कर अपने दांपत्य जीवन में सुख-शांति की कामना करती हैं।

शाम करीब 8:05 पर चंद्रमा निकलने का समय

सुबह सास द्वारा दी गई सरगी (फल, मिठाई और सूखे मेवों का थाल) ग्रहण कर महिलाएं दिनभर बिना जल-पान के व्रत रखती हैं। शाम के समय स्नान करके लाल या गुलाबी वस्त्र धारण करती हैं और पूजा स्थान को सजाती हैं। पूजा थाल में करवा (मिट्टी या पीतल का पात्र), दीपक, चावल, रोली, मिठाई, फल और जल रखा जाता है। पंडित संजय गौतम (श्री काली माता मंदिर, रेलवे स्टेशन लुधियाना) ने बताया कि सभी सुहागन शाम करीब 8:05 पर चंद्रमा निकलने का समय है।

13 अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एनसीएससी ने चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी कर 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी

हरियाण| हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में डीजीपी शत्रुजीत कपूर एंव अन्य अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। मामले में उन सभी अफसरों के खिलाफ एससी एसटी और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है जिनके नाम सुसाइड नोट में है। हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार ने सुसाइड नोट में 16 आईपीएस और आईएएस अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। उन्होंने जाति आधारित भेदभाव, मानसिक प्रताड़ना और नियमों का पालन न करने की बात कही। कुमार ने लिखा कि वे पिछले पांच साल से प्रताड़ित थे और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया और विस्तृत जांच की उम्मीद जताई थी। हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार ने अपने पीएसओ की रिवाल्वर से आत्महत्या कर ली थी। चंडीगढ़ पुलिस ने कहा- दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध के लिए मृतक के अंतिम नोट में नामित लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) ने दलित आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की कथित आत्महत्या का स्वतः संज्ञान लिया है और चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दोनों अधिकारियों को सात दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयोग ने कहा कि वह मामले की जाँच करेगा। एनसीएससी ने रिपोर्ट में विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसमें सभी आरोपियों के नाम, एफआईआर संख्या, तारीख और लगाई गई संबंधित धाराएँ, की गई गिरफ्तारियों का विवरण और मृतक अधिकारी के परिवार को दिए गए मुआवजे का विवरण शामिल है। नोटिस में आगे चेतावनी दी गई है, 'कृपया ध्यान दें कि यदि आयोग को निर्धारित समय के भीतर आपका जवाब नहीं मिलता है, तो वह संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आपको या आपके प्रतिनिधि को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए सम्मन जारी कर सकता है।'